श्री शिवकवच

ॐ नमो भगवते सदाशिवाय सकलतत्वात्मकाय सर्वमन्त्रस्वरूपाय
सर्वयन्त्राधिष्ठिताय सर्वतन्त्रस्वरूपाय सर्वतत्वविदूराय
ब्रह्मरुद्रावतारिणे नीलकण्ठाय पार्वतीमनोहरप्रियाय
सोमसूर्याग्निलोचनाय भस्मोद्धूलितविग्रहाय महामणि मुकुटधारणाय
माणिक्यभूषणाय सृष्टिस्थितिप्रलयकाल- रौद्रावताराय दक्षाध्वरध्वंसकाय
महाकालभेदनाय मूलधारैकनिलयाय तत्वातीताय गंगाधराय
सर्वदेवादिदेवाय षडाश्रयाय वेदान्तसाराय त्रिवर्गसाधनाय
अनन्तकोटिब्रह्माण्डनायकाय अनन्त वासुकि तक्षक- कर्कोटक शङ्ख कुलिक-
पद्म महापद्मेति- अष्टमहानागकुलभूषणाय प्रणवस्वरूपाय
चिदाकाशाय आकाश दिक् स्वरूपाय ग्रहनक्षत्रमालिने सकलाय कलङ्करहिताय
सकललोकैककर्त्रे सकललोकैकसंहर्त्रे सकललोकैकसाक्षिणे
सकललोकैकवरप्रदाय सकललोकैकशंकराय शशाङ्कशेखराय
शाश्वतनिजावासाय निराभासाय निरामयाय निर्मलाय निर्लोभाय निर्मदाय निश्चिन्ताय
निरहंकाराय निरंकुशाय निष्कलङ्काय निर्गुणाय निष्कामाय निरूपप्लवाय निरवद्याय
निरन्तराय निष्कारणाय निरातंकाय निष्प्रपञ्चाय निस्सङ्गाय निर्द्वन्द्वाय
निराधाराय नीरागाय निष्क्रोधाय निर्मलाय निष्पापाय निर्भयाय निर्विकल्पाय
निर्भेदाय निष्क्रियाय निस्तुलाय निःसंशयाय निरंजनाय निरुपमविभवाय
नित्यशुद्धबुद्धमुक्तपरिपूर्ण- सच्चिदानन्दाद्वयाय परमशान्तस्वरूपाय
तेजोरूपाय तेजोमयाय / जय जय रुद्र महारौद्र भद्रावतार महाभैरव
कालभैरव कल्पान्तभैरव कपालमालाधर खट्वाङ्ग खड्ग चर्म पाशाङ्कुश-
डमरूशूल चापबाणगदाशक्तिभिंदिपाल-तोमर मुसल मुद्गर पाश-
परिष भुशुण्डी शतघ्नी चक्राद्यायुधभीषणाकार-सहस्त्रमुखदंष्ट्राकरालवदन
विकटाट्टहास विस्फारित ब्रह्माण्डमण्डल नागेन्द्रकुण्डल
नागेन्द्रहार नागेन्द्रवलय नागेन्द्रचर्मधर मृत्युञ्जय त्र्यम्बक
त्रिपुरान्तक विश्वरूप विरूपाक्ष विश्वेश्वर वृषभवाहन विषविभूषण
विश्वतोमुख सर्वतो रक्ष रक्ष मां / ॐ नमो भगवते सदाशिवाय